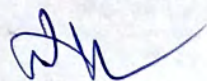


कार्यक्रम का प्रमाण पत्र		भाग अ – परिचय कक्षा : बी.ए. प्रथम वर्ष (ताल वाद्य)	सत्र: 2025–26
क्रं.	A1-MSTV2T		
1	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारतीय संगीत का इतिहास (प्रश्न पत्र –2)	
2	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स / इलेक्टिव / जेनेरिक इलेक्टिव / तबला / पखावज)	कोर कोर्स (मेजर) सैद्धांतिक	
3	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) यदि कोई हो	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए छात्र ने विषय संगीत कक्षा / 12वीं / प्रमाण पत्र / डिप्लोमा में किया हो।	
4	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	1. संगीत की उत्पत्ति के विभिन्न मतों से विद्यार्थियों को परिचित कराना। 2. अपने वाद्ययंत्र का ज्ञान एवं उनके अंगों का ज्ञान। 3. तबला / पखावज के घरानों की ऐतिहासिक जानकारी का ज्ञान कराना। 4. मुख्य संगीतज्ञों की जानकारी एवं उनके सांगीतिक योगदान की जानकारी कराना। 5. सांगीतिक कार्यक्रमों के संयोजन एवं उसमें निहित रोजगार के अवसरों से परिचित कराना।	
5	क्रेडिट मान	02	
6	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35
भाग ब– पाठ्यक्रम की विषयवस्तु			
व्याख्यान की कुल संख्या –ट्यूटोरियल– प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P:			
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या	
i	भारतीय प्राचीन सांगीतिक ग्रंथों के आधार पर – संगीत की उत्पत्ति की विभिन्न अवधारणाएँ 1. धार्मिक मत 2. प्राकृतिक मत 3. मनोवैज्ञानिक गतिविधि– इकाई से सम्बन्धित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का निर्माण।	6 घंटे	
ii	1. भारतीय संगीत के वैदिक कालीन इतिहास का संक्षिप्त अध्ययन 2. तबला / पखावज के अंगों का ज्ञान एवं सचित्र वर्णन। गतिविधि– 1. तबला एवं पखावज के विभिन्न अंगों को चित्र द्वारा प्रदर्शित करना।	6 घंटे	
iii	1. घरानों का आशय एवं महत्व। 2. संगीत शिक्षण में घरानों की उपयोगिता। गतिविधि– तबला स्वतंत्र वादन के सभी घरानों के संस्थापकों का क्रमवद्ध फ्लो चार्ट तैयार करना।	8 घंटे	

IV	1. तबले के दिल्ली/ पखावज के पं. कुदरु सिंह घराने का सामान्य अध्ययन। 2. सांगीतिक कार्यक्रमों के संयोजन एवं उसमें निहित रोजगार के अवसरों का अध्ययन। गतिविधि- 1. विभिन्न घरानों की वादन शैलियों पर समूह चर्चा। 2. सांगीतिक कार्यक्रमों के संयोजन के प्रमुख तत्वों का चार्ट तैयार करना।	10 घंटे
----	---	---------

भाग स-अनुशंसित अध्ययन संसाधन		
पाठ्य पुस्तकें, सदर्थ पुस्तकें, अन्य संसाधन		
अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/अन्य/पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:		
लेखक उपनाम, प्रथमाक्षर "पुस्तक शीर्षक" प्रकाशन नाम, शहर/ संस्करण नं. यदि कोई हो।		
1. संगीत विशारद, बसंत, प्रकाशन-लक्ष्मीनारायण गर्ग, संगीत कार्यलय हाथरस		
2. भारतीय संगीत का इतिहास, उमेश जोशी, मानसरोवर प्रकाशन फिरोजाबाद		
3. ताल प्रकाश, डॉ० भगवत शरण शर्मा, संगीत कार्यलय हाथरस।		
4. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक- swyam, youtube.		
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:		
भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:		
अधिकतम अंक: 100		
सतत व्यावक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक :70		
आंतरिक मूल्यांकन:	क्लास टेस्ट /	कुल अंक: 30
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	असाइमेंट / प्रस्तुतीकरण (प्रजेंटेशन)	
आकलन :	अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न(प्रत्येक 50 शब्द)	03x03=09
विश्वविद्यालयीन परीक्षा:	अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द)	04x08=32
	अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न(प्रत्येक 500 शब्द)	02x15=30
		कुल अंक 70


 Dr. Nagesh Kumar Tripathi
 Deptt. of Music
 T.E.S. College, Rewa (M.P.)

		Part A Intrduction			
Program: Certificate Course		Class BA 1st Year		Session: 2025-26	
Subject : Taal Vadhya (Tabla/Pakhawaj)					
1	Course Code	A1-MSTV2T			
2	Course Title	History of Indian Music(Paper-II)			
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/..)	Core Course (Major)			
4	Pre-requisit (if any)	To study this course, a student must have had the subject music in class/12 th /certificate/diploma. This course can be opted as an elective by the students of following subjects:...../Open for all			
5	Course Learning outcomes (CLO)	1. Introduce students with the different views of the origins of music. 2. Knowledge of the ir instrument and Knowledge of their parts. 3. Knowledge of the historical information of the table / pakhawaj gharanas. 4. To make known the main musicans and their musical contributions. 5. To introduce with the combination of musical programs and the employment opportunity cantoned therein.			
6	Credit Value	02			
7	Total Marks	Max Marks 30+70		Minimum Passing Marks -35	
Part B-Content of the Course					
Total No. of Lectures-tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P:					
Unit	Topics				No. of Lectures
I	Based on ancient Indian musical texts. 1. Different concepts of music origins. A. Religious opinion. B. Natural opinion. C. Psychological opinion. Activity- Preparation of objective type questions related to the unit.				6 hr
II	1. A brief study of vedic history of Indian music. 2. Knowledge and description with diagram of the parts of the tabla and pakhawaj. Activity- Displaying various parts of table and pakhawaj through pictures.				6 hr

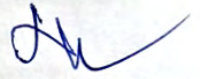
III	1. Meaning and importance of gharanas. 2. Utility of gharana in music training. Activity- To prepare a systematic flowchart of the founders of all gharanas of tabla independent playing.	8 hr
iv	1. General studies of delhi tabla gharana/pakhawaj kudaoosingh's gharana. 2. To study the organisation of musical programmes and the employment opportunities therein. Activity- 1. Group discussion on playing styles of different gharanas. 2 Preparing chart the main elements of musical programmes.	10 hr

Keywords/Tags:		
Part C-Learning Resources		
Text Books, Reference Books, Other resources		
Suggested Readings:		
Author Surname, Initials "Book Title", ,Publisher's name. City/country of publication. year of publication. Edition No. if any		
1. Sangeet visharad, Vasant, Laxmi Narayan publication, sangeet karyalaya hathras 2. Bhartiya Sangeet ka Itihas, Umesh joshi, Mansarovar prakashan Firojabad 3. Taal Prakash , Dr. Bhagwat sharan sharma sangeet karyalaya hathras 4. Suggestive Digital platforms web links- swyam, youtube.		
Suggested equivalent online Courses:		
Part D- Assessment and Evaluation		
Suggested Continuous Evaluation Methods:		
Maximum Marks: 100		
Continuous Comprehensive Evaluation (CCF): 30 marks University Exam (UF)70Marks		
Internal Assessment :	Class Test Assignment/Presentation	15
Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):30		15
Internal Assessment :	Section (A): Three Very Short Questions (50 Words Each)	03 x 03= 09
University Exam Section:70	Section (B): Four Short Questions (200 Words Each) Section (C): Two Long Questions(500 Words Each)	04 x 15 = 36 02 x 15 = 30 Total 70


 Dr. Nagesh Kumar Tripathi
 Deptt. of Music
 T.R.S. College, Rewa (M.P.)

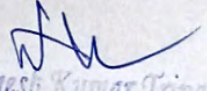
कार्यक्रम का प्रमाण पत्र		भाग अ – परिचय कक्षा : बी.ए. प्रथम वर्ष (ताल वाद्य)	सत्र: 2025–26
क्रं.	A1-MSTV2P		
1	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्रायोगिक प्रश्न पत्र 2	
2	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स / इलेक्टिव / जेनेरिक इलेक्टिव / तबला / पखावज)	कोर कोर्स (मेजर)	
3	पूर्वपेक्षा (Pre-requisite) यदि कोई हो	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए छात्र ने विषय संगीत कक्षा / 12वीं / प्रमाण पत्र / डिप्लोमा में किया हो। इस पाठ्यक्रम को निम्नलिखित विषयों के छात्रों द्वारा एक बैकल्पिक विषय के रूप में चुना जा सकता है: सभी के लिए उपलब्ध	
4	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	1. अपने वाद्य यंत्रों पर प्रारंभिक मिश्रित वर्णों का रखाव एवं हाथ के रखाव की जानकारी कराना। 2. लय आशय एवं दुगुन की जानकारी एवं तालों को बजाने की क्षमता विकसित होगी। 3. सुगम एवं लोकसंगीत में प्रारंभिक ठेकों की संगति की जानकारी। 4. राष्ट्रगान/राष्ट्रगीत एवं क्षेत्रीय लोकसंगीतों में तबला संगति की प्रारंभिक जानकारी के द्वारा वादन की क्षमता विकसित होगी।	
5	क्रेडिट मान	04	
6	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 35
भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु			
व्याख्यान की कुल संख्या –ट्यूटोरियल– प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P:			
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या	
i	तबला/पखावज के दायें एवं बायें से निकलने वाले प्रारंभिक मिश्रित वर्णों(बोलो) का अभ्यास एवं निकास विधि।	15	
ii	पाठ्यक्रम की तालों को दुगुन लय में बजाने का अभ्यास तीनताल, झपताल, कहरवा, दादरा।	15	
iii	कहरवा, दादरा को ठाह, दुगुन में बजाने का अभ्यास एवं इनके दो प्रकारों का वादन करने की क्षमता।	15	
iv	राष्ट्रगान/राष्ट्रगीत अथवा क्षेत्रीय लोकगीतों ठेकों सहित संगति की क्षमता	15	

भाग स-अनुशंसित अध्ययन संसाधन			
पाठ्य पुस्तके, सदर्थ पुस्तके, अन्य संसाधन			
अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रंथ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:			
1. तबला कौमुदी भाग-1 पं. रामशंकर पागलदास, चौखम्बा प्रकाशन-वाराणसी।			
2. ताल परिचय भाग-1,2 डॉ. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव साउथ मालाका इलाहाबाद।			
भाग द- अनुशंसित मूल्यांकन विधियाँ:			
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँ:			
आंतरिक मूल्यांकन	अंक	बाह्य मूल्यांकन	अंक
कक्षा में संवाद/प्रश्नोत्तरी	10	प्रायोगिक मौखिक (बायबा)	45
उपस्थिति	10	प्रायोगिक रिकार्ड फाइल	15
असाइनमेंट(चार्ट/माडल/सेमिनार/ग्रमीण सेवा/प्रौद्योगिकी प्रसार/भ्रमण(कसकरशन)की रिपोर्ट/सर्वेक्षण/प्रयोगशाला भ्रमण(लैब विजिट)/औद्योगिक यात्रा	10	टेवल वर्क/प्रयोग	10
कुल अंक	30		70


 Dr. Nagesh Kumar Tripathi
 Deptt. of Music
 T.R.S. College, Rewa (M.P.)

		Part A Introduction			
Program: Certificate Course		Class BA 1st Year		Session: 2025-26	
Subject : Taal Vadhya (Tabla/Pakhawaj)					
1	Course Code	A1-MSTV2P			
2	Course Title	Practical Paper- II			
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/..)	Core Course (Major)			
4	Pre-requisit (if any)	To study this course, a student must have had the subject music in class/12th /certificate/diploma. This course can be opted as an elective by the students of following subjects:...../Open for all			
5	Course Learning outcomes (CLO)	1. To introduce the preliminary mixed varn and doing information of holding hands on your instruments. 2. The meaning if laya (rhythm) and Knowledge of dugun and the ability to play taal will develop. 3. Information of accompaniment preliminary thekas in light music and folk music. 4. Initial Knowledge of table accompaniment in the national anthem, national song and folk song will develop the versatility playing.			
6	Credit Value	04			
7	Total Marks	Max Marks 30+70			
Part B-Content of the Course					
Total No. of Lectures-tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P:					
Unit	Topics			No. of Lectures	
I	Practice of preliminary mixed varna (bals) of right and left of the table/pakhawaj and method of playing that.			15 hr	
II	Practice of dugun laya of syllabus teentaal, jhaptaal, kaherwa, dadra.			15 hr	
III	Practice of kaherwa and dadra in than, dugun and the ability to play 2 types of them.			15 hr	
iv	Ability of perform in national anthom, national song and folk songs.			15 hr	

Keywords/Tags:			
Part C-Learning Resources			
Text Books, Reference Books, Other resources			
Suggested Readings:			
Author Surname, Initials "Book Title", ,Publisher's name. City/country of publication. year of publication. Edition No. if any			
1. Tabla Koumudi Part-1, Pt. Ramshankar Pagaldas, Choukhamba Publication Varanasi 2. Taal parichya Part-1,2, Dr. Girish Chandra shrivastava, south malka Allahabad. 3. Suggestive Digital platforms web links-			
Suggested equivalent online Courses:			
Part D- Assessment and Evaluation			
Suggested Continuous Evaluation Methods:			
Internal Assessment	Marks	External Assignments	Marks
Class Interaction/Quiz	10		45
Attendance	10		15
Assignments (Charts/Model Seminar/Rural Service/Technology Dissemination/Report of Excursion/Lab Visits/Survey/Industrial Visit)	10		10
Total	30		70


 Dr. Nagesh Kumar Tripathi
 Deptt. of Music
 T.R.S. College, Rewa (M.P.)